1 शब्द-निर्माण
(क) उपसर्ग-प्रत्यय

उपसर्ग और प्रत्यय से शब्द-निर्माण

प्रत्येक भाषा में नए-नए शब्द-निर्माण की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है, इसे **शब्द-निर्माण प्रक्रिया** कहते हैं। इसके अंतर्गत दो प्रकार के शब्द बनाए जाते हैं- शब्द रूप (पद) तथा नवीन शब्द।

रचना या बनावट के आधार पर शब्दों के तीन प्रकार हैं; जैसे- रूढ़ शब्द, योगरूढ़ शब्द और यौगिक शब्द।

यौगिक शब्द दो प्रकार से बनते हैं–

(*i*) शब्द में उपसर्ग या प्रत्यय लगाने से।

(*ii*) दो या दो से अधिक रूढ़-यौगिक के समास द्वारा जुड़े होने से बने यौगिक शब्द।

इस अध्याय में दोनों प्रकार के यौगिक शब्दों की रचना पर विचार किया जाएगा।

उपसर्ग और **प्रत्यय** दोनों ही रूढ़ या सरल शब्द न होकर मात्र शब्दांश होते हैं। ये वाक्य में स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त होते हैं। जैसे– 'लघुता' शब्द (लघु+ता) में - लघु शब्द रूढ़ है और इसमें 'ता' - प्रत्यय है। 'ता' केवल शब्दांश है, इसका स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता।

उपसर्ग

उपसर्ग वे सार्थक शब्दांश हैं, जो किसी शब्द के आरंभ में लगकर नवीन शब्दों का निर्माण करते हैं; जैसे–

उप - उपहार, उपकार, उपदेश, उपसर्ग।

वि - विदेश, विनाश विजय, विभाग।

प्र - प्रहार, प्रदेश, प्रबल, प्रकार, प्रचार।

अ - अछूत, अधर्म, अज्ञान, असुंदर।

आ - आकार, आदेश, आभार, आजन्म।

मुख्य रूप से हिंदी भाषा में पाँच प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग किया जाता है–

1. संस्कृत के उपसर्ग
2. हिंदी के उपसर्ग
3. उर्दू-फ़ारसी के उपसर्ग
4. अंग्रेज़ी के उपसर्ग
5. उपसर्ग के समान संस्कृत के अव्यय

Scanned by TapScanner

1. संस्कृत के उपसर्ग

आ	–	आदेश, आजीवन, आभार, आहार, आजन्म, आरक्षण, आक्रमण, आजन्म।
उप	–	उपहार, उपदेश, उपचार, उपवन, उपग्रह, उपसंहार, उपभेद।
अव	–	अवसर, अवतार, अवगुण, अवशेष, अवतरण, अवज्ञा।
अप	–	अपमान, अपकार, अपशब्द, अपयश, अपकीर्ति, अपराध, अपवाद, अपशकुन।
अति	–	अतिक्रमण, अतिरिक्त, अतिसार, अत्यंत, अतिशय, अत्यधिक।
अधि	–	अधिकार, अधिकरण, अध्यक्ष, अधिनायक, अध्यादेश, अधिकृत।
अनु	–	अनुचर, अनुभव, अनुशासन, अनुराग, अनुरोध, अनुयायी, अनुकूल, अनुज।
उत्	–	उत्कर्ष, उत्थान, उन्नति, उच्चारण, उत्कंठा, उद्घाटन, उद्देश्य, उद्गम।
नि	–	नियम, निवास, निपात, निरोध, निबंध, निवारण, नियोग, नियुक्ति, निकृष्ट।
दुस्	–	दुस्साहस, दुस्साध्य, दुष्कर्म, दुष्कर, दुष्प्रभाव।
निस्	–	निष्कपट, निस्तेज, निष्पाप, निष्काम, निश्छल, निस्संदेह, निष्कलंक।
प्र	–	प्रचार, प्रहार, प्रदेश, प्रबल, प्रगति, प्रसिद्ध, प्रस्थान, प्रयत्न, प्रदर्शन।
परा	–	पराजय, परिवर्तन, परिक्रमा, परीक्षा, परिपक्व, परामर्श, पराधीन।
वि	–	विजय, विनय, विदेश, वियोग, विवाद, विज्ञान, विपक्ष, विकास, विभाग, विमुख।
प्रति	–	प्रतिकूल, प्रतिदिन, प्रतिकार, प्रतिष्ठा, प्रत्यक्ष, प्रतिनिधि, प्रतिध्वनि।
सु	–	सुयश, सुगम, सुलभ, सुपुत्र, सुजान, स्वच्छ, सुशिक्षित, सुमार्ग।
सम्	–	सम्मान, सम्मेलन, संपूर्ण, सम्मुख, संकल्प, संतोष, संचार, संकोच।
अन	–	अनागत, अनबन, अनाचार, अनादि, अनजान।
अ	–	अजय, अभाव, अज्ञान, अधर्म, अयोग्य, अपठित, अकर्मक, अबोध।
दुर्	–	दुर्जन, दुर्बल, दुर्घटना, दुर्गुण, दुर्लभ, दुर्व्यवहार, दुर्गति, दुर्दशा।
निर्	–	निर्बल, निर्यात, निर्भय, निर्दोष, निरादर, निर्गम, निर्मम।
स्व	–	स्वराज, स्वदेश, स्वभाव, स्वतंत्र, स्वकथन, स्वावलंबन, स्वचलित।
चिर	–	चिरस्मरणीय, चिरंजीवी, चिरकाल, चिरायु, चिरस्थायी।
स	–	सफल, सबल, सजीव, सपरिवार।

2. हिंदी के उपसर्ग

अ	–	अपूर्ण, अभाव, अज्ञान, अनाथ, अधर्म, अमर, अम्ल, अछूत।
अन	–	अनदेखा, अनपढ़, अनसुना, अनहोनी, अनकही, अनबन, अनजान।
अध	–	अधपका, अधमरा, अधकचरा, अधखिला।
उन	–	उनसठ, उनचास, उनतीस, उनतालीस।

Scanned by TapScanner

नि	–	निडर, निर्भय, निकम्मा, निगोड़ा।
बिन	–	बिनदेखे, बिनबोले, बिनब्याहा, बिनमाँगे।
भर	–	भरपूर, भरपेट, भरसक, भरमार, भरपाई।
कु	–	कुचाल, कुमार्ग, कुख्यात, कुपुत्र, कुढंग।
सु	–	सुकर्म, सुयश, सुपुत्र, सुपात्र, सुशील।
पर	–	परदादा, परदादी, परकोटा, परनाना, परनानी, परहित, परजीवी।
क	–	कपूत, कुसमय, कुरूप।
औ	–	औगुन, औघट, औतार, औसर, औघड़।
स	–	सपूत, सरस, सफल, सबल, सपरिवार।
चौ	–	चौराहा, चौमासा, चौपाई, चौतरफा।
दु	–	दुविधा, दुलारा, दुबला।

3. उर्दू-फ़ारसी के उपसर्ग

बे	–	बेगार, बेदाग़, बेरहम, बेगुनाह, बेवफ़ा, बेचारा।
बद	–	बदबू, बदसूरत, बदकिस्मत, बदमिज़ाज।
खुश	–	खुशबू, खुशकिस्मत, खुशनसीब, खुशमिज़ाज, खुशखबरी।
ना	–	नाराज़, नाउम्मीद, नासमझ, नादान, नापाक, नापसंद, नामुमकिन।
गैर	–	गैरकानूनी, गैरहाज़िर, गैरमामूली, गैरजिम्मेदार।
ला	–	लापता, लाचार, लावारिस, लापरवाह, लाइलाज़।
कम	–	कमज़ोर, कमउम्र, कमअक्ल, कमबख़्त।
दर	–	दरकार, दरकिनार, दरअसल, दरम्यान।
बा	–	बाअदब, बाइज़्ज़त, बाकायदा।
बिला	–	बिलावजह, बिलादेखे, बिलाकसूर।
हम	–	हमशक्ल, हमराही, हमउम्र, हमराज, हमदर्द।
हर	–	हररोज़, हरदिन, हरपल, हरसाल, हरवक्त।
ब	–	बनाम, बगैर, बदौलत, बखूबी।
ऐन	–	ऐनमौके, ऐनवक्त।

4. अंग्रेज़ी के उपसर्ग

हेड	–	हेडमास्टर, हेडऑफिस, हेडकांस्टेबल, हेडक्लर्क।
सब	–	सबडिवीजन, सबइंस्पेक्टर, सबवे।
वाइस	–	वाइस चांसलर, वाइस प्रिंसिपल, वाइस प्रेज़ीडेंट।

Scanned by TapScanner

जनरल - जनरल सेक्रेटरी, जनरल मैनेजर।

चीफ़ - चीफ़ सेक्रेटरी, चीफ़ जस्टिस, चीफ़ मिनिस्टर।

डिप्टी - डिप्टी मैनेजर, डिप्टीकलक्टर, डिप्टीकमिश्नर।

हाफ़ - हाफ़पैंट, हाफ़शर्ट, हाफ़कमीज।

असिस्टेंट - असिस्टेंट टीचर, असिस्टेंट कमिश्नर।

5. उपसर्ग के समान संस्कृत के अव्यय

सम - समकालीन, समकालिक, समकोण।

सह - सहयोग, सहपाठी, सहगान, सहकारिता।

प्राग् - प्राक्कथन, प्रागैतिहासिक, प्राग्वैदिक।

पुरा - पुरातन, पुरातत्त्व, पुराना।

स्वयं - स्वयंवर, स्वयंसेवक, स्वयंपाठी।

अधः - अधःपतन, अधोगति, अधोलिखित।

सत् - सत्पुरुष, सत्कर्म, सत्संग, सद्गति।

पुनः/पुनर् - पुनर्जन्म, पुनर्विवाह, पुनरुक्ति, पुनर्निर्माण।

अंतः - अंतःकरण, अंतःपुर, अंतःप्रजनन।

अंतर् - अंतर्मुखी, अंतर्जातीय, अंतर्राष्ट्रीय, अंतर्राज्यीय।

बहिर् - बहिर्गमन, बहिरंग, बहिर्मुखी।

बहिस् - बहिष्कृत, बहिष्कार।

पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त उपसर्ग युक्त शब्द

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
संस्कृति	सम्	कृति
संचालन	सम्	चालन
अभिजात	अभि	जात
संसर्ग	सम्	सर्ग
दुर्भाग्य	दुर्	भाग्य
अधिकार	अधि	कार
विभिन्न	वि	भिन्न
अतिथि	अ	तिथि
अदृश्य	अ	दृश्य
निर्मूल	निर्	मूल

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
संभ्रांत	सम्	भ्रांत
अनुभूति	अनु	भूति
बेहया	बे	हया
अवगत	अव	गत
सुरक्षा	सु	रक्षा
अत्यन्त	अति	अन्त
आरोहण	आ	रोहण
अनवरत	अन	वरत
आग्रह	आ	ग्रह
प्रतिनिधि	प्रति	निधि

Scanned by TapScanner

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
सशक्त	स	शक्त
परिहास	परि	हास
उपकरण	उप	करण
प्रदर्शन	प्र	दर्शन
समतल	सम	तल
उत्तम	उत्	तम
तिरस्कार	तिरस्	कार
उत्पात	उत्	पात
विरुद्ध	वि	रुद्ध
बेचारा	बे	चारा
स्वागत	सु	आगत
परिवर्तन	परि	वर्तन
उल्लेख	उत्	लेख

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
अनुवाद	अनु	वाद
प्रतिकूल	प्रति	कूल
अव्यवस्थित	अ	व्यवस्थित
प्रारंभ	प्र	आरंभ
प्रतीक्षा	प्रति	ईक्षा
दरअसल	दर	असल
निर्यात	निर्	यात
अनिच्छा	अन्	इच्छा
परिश्रम	परि	श्रम
पुनर्जीवन	पुनर्	जीवन
प्रतिक्रिया	प्रति	क्रिया
कुशासन	कु	शासन

प्रत्यय

वे शब्दांश जो शब्द के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में नवीनता (विशेषता) उत्पन्न कर देते हैं, वे **प्रत्यय** कहलाते हैं; जैसे- मानव + ता = मानवता में 'ता' प्रत्यय है।

प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं–

1. जो धातु (क्रिया) के बाद जुड़कर संज्ञा/विशेषण बनाते हैं, उन्हें **कृत् प्रत्यय** कहते हैं।
2. जो संज्ञा और सर्वनाम आदि के साथ जुड़कर प्राय: संज्ञा/विशेषण बनाते हैं, उन्हें **तद्धित प्रत्यय** कहते हैं।

उदाहरण–

1. कृत् प्रत्यय

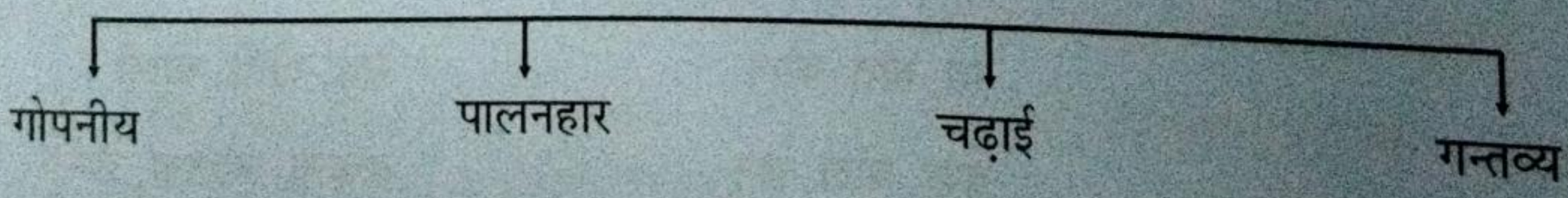

2. तद्धित प्रत्यय

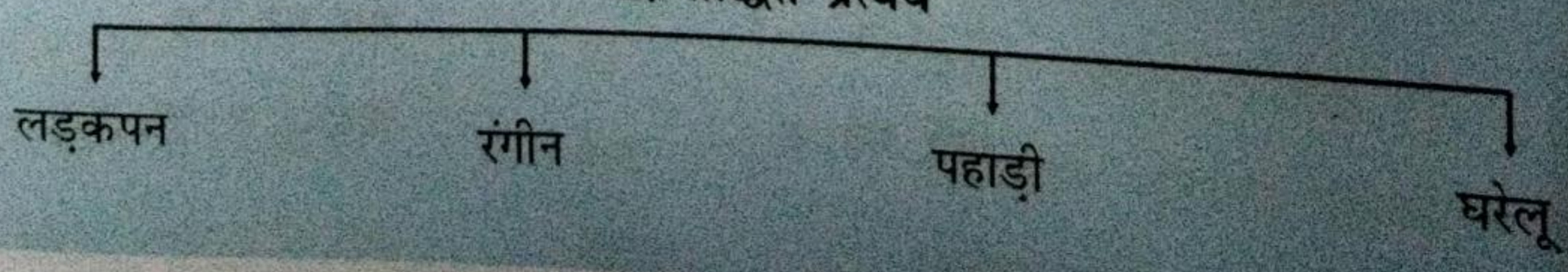

Scanned by TapScanner

2. कृत् प्रत्यय

'कृत् प्रत्यय' से बनने वाले शब्द कर्ता अथवा कार्य करने वाले का बोध कराते हैं।

प्रत्यय	मूल शब्द	उदाहरण
आलु	दया, कृपा, श्रद्धा	दयालु, कृपालु, श्रद्धालु
दार	लेन, देन, दावा	लेनदार, देनदार, दावेदार
आऊ	टिक, बिक, देख	टिकाऊ, बिकाऊ, दिखाऊ
वाला	पढ़ने, खाने, देखने	पढ़नेवाला, खानेवाला, देखनेवाला
हार	पालन, होन, सृजन	पालनहार, होनहार, सृजनहार
इया	लाख, घट, जाट	लखटकिया, घटिया, जटिया
ऊ	कमा, खा, उड़	कमाऊ, खाऊ, उड़ाऊ
अक्कड़	पी, भूल	पियक्कड़, भुलक्कड़
ना	खा, गँवा, मिल	खाना, गँवाना, मिलना
नी	चट, ओढ़	चटनी, ओढ़नी
औना	खेल, बिछ	खिलौना, बिछौना
आई	लिख, दिख, पढ़	लिखाई, दिखाई, पढ़ाई
आन	मिल, उठ, उड़	मिलान, उठान, उड़ान
ई	बोल, हँस, खुश	बोली, हँसी, खुशी
आव	फैल, बह, चढ़, झुक	फैलाव, बहाव, चढ़ाव, झुकाव
आहट	गुर्रा, घबरा, चरमर	गुर्राहट, घबराहट, चरमराहट
औती	चुन, बाप, कट	चुनौती, बपौती, कटौती
अन	कर, श्रव, वर	करण, श्रवण, वरण
नी	कतर, धौंक, सूँघ	कतरनी, धौंकनी, सूँघनी
ई	रेत, खेत, बोल	रेती, खेती, बोली
ना	ढक, बोल, छन्	ढकना, बोलना, छन्ना
अनीय	कथ्, पठ्, गोप्	कथनीय, पठनीय, गोपनीय
य	दे, गे, पे	देय, गेय, पेय
व्य	कर्त, मंत, श्र	कर्तव्य, मंतव्य, श्रव्य

Scanned by TapScanner

2. तद्धित प्रत्यय

जो प्रत्यय धातुओं (क्रियाओं) से अलग अर्थात् संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा अव्यय शब्दों के अंत में जुड़कर अर्थ में विशिष्टता लाते हैं, **तद्धित प्रत्यय** कहलाते हैं। इनसे संज्ञा और विशेषण बनते हैं; जैसे–

अमीर- अमीरी, शहर–शहरी, मराठा–मराठी, बच्चा–बचपन, अपना–अपनापन, कानपुर–कानपुरी

मूल शब्द	प्रत्यय	उदाहरण
शिव, अश्व, भव्य, मान्य	आ	शिवा, अश्वा, भव्या, मान्या
घंटा, पहाड़, रस्सा, चोर, खेत, दुश्मन	ई	घंटी, पहाड़ी, रस्सी, चोरी, खेती, दुश्मनी
मानव, पशु, नीच, दुष्ट, लघु, कृपण, कटु	ता	मानवता, पशुता, नीचता, दुष्टता, लघुता, कृपणता, कटुता
बेटी, खाट, लोटा, डिब्बा	इया	बिटिया, खटिया, लुटिया, डिबिया
बच्चा, लड़का, अपना	पन	बचपन, लड़कपन, अपनापन
पूजा, बूढ़ा, मोटा	पा	पुजापा, बुढ़ापा, मोटापा
मनुष्य, पशु, स्त्री, नारी, गज, सिंह	त्व	मनुष्यत्व, पशुत्व, स्त्रीत्व, नारीत्व, गजत्व, सिंहत्व
पढ़, लिख, लड़, पंडित	आई	पढ़ाई, लिखाई, लड़ाई, पंडिताई
मामा, चाचा, काम, साँप, चित, लूट	एरा	ममेरा, चचेरा, कमेरा, सपेरा, चितेरा, लुटेरा
सोना, लोहा	आर	सुनार, लुहार
इक्का, दूध, फल, बंदर, हाथी, गाय, ऊँट, गाँव	वाला	इक्कावाला, दूधवाला, फलवाला, बंदरवाला, हाथीवाला, गायवाला, ऊँटवाला, गाँववाला
पत्र, कला, कहानी, उपन्यास, निबंध, साहू	कार	पत्रकार, कलाकार, कहानीकार, उपन्यासकार, निबंधकार, साहूकार
गाड़ी, कोच, पहल, बल, धन	वान	गाड़ीवान, कोचवान, पहलवान, बलवान, धनवान
लेख, जात, पाठ, साध, लिपि, पाल	क	लेखक, जातक, पाठक, साधक, लिपिक, पालक
जादू, सौदा, बाजी	गर	जादूगर, सौदागर, बाजीगर
लकड़ी, चूड़ी, पालन, मारन	हारा	लकड़हारा, चूड़िहारा, पालनहारा, मारनहारा
ताबा, दुकान, जमीं, थाना, सूबा	दार	ताबेदार, दुकानदार, जमींदार, थानेदार, सूबेदार

Scanned by TapScanner

खुश, धन, गरीब	ई	खुशी, धनी, गरीबी
मीठा, खट्टा	आस	मिठास, खटास
काला, पीला, नीला	पन	कालापन, पीलापन, नीलापन
अच्छा, बुरा, सच्चा	आई	अच्छाई, बुराई, सच्चाई
घबरा, कड़वा, चिकना	आहट	घबराहट, कड़वाहट, चिकनाहट
रस, जोश, बर्फ़, जहर	ईला	रसीला, जोशीला, बर्फ़ीला, जहरीला
भूख, प्यास	आ	भूखा, प्यासा
धर्म, नीति, दिन, पुराण, समाज, अर्थ, राजनीति, देह, तर्क, देव, वर्ष	इक	धार्मिक, नैतिक, दैनिक, पौराणिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, दैहिक, तार्किक, दैविक, वार्षिक
मर्द, साल, रोज, जन	आना	मर्दाना, सालाना, रोजाना, जनाना
आगा, पीछा, नीचा, मँझ, उथ	ला	अगला, पिछला, निचला, मँझला, उथला
कोलकाता, मुंबई	इया	कोलकतिया, मुंबइया
गुलाब, खून, ऊन	ई	गुलाबी, खूनी, ऊनी

शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय का प्रयोग एक साथ किया जाता है; जैसे-

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
अविकारी	अ+वि	कार	ई
सफलता	स	फल	ता
दुस्साहसी	दुस्	साहस	ई
अपमानित	अप	मान	इत
उपकारक	उप	कार	क
अपठनीय	अ	पठन्	ईय
अशोभनीय	अ	शोभन	ईय
बेमतलबी	बे	मतलब	ई
अनुकरणीय	अनु	करण	ईय
स्वतंत्रता	स्व	तंत्र	ता
अधार्मिक	अ	धर्म	इक
अमानवीय	अ	मानव	ईय
दुर्बलता	दुर्	बल	ता

Scanned by TapScanner

कभी-कभी शब्दों में दो-दो प्रत्यय भी देखने को मिलते हैं; जैसे–

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय	+	प्रत्यय
तैराकी	तैर	आक	+	ई
दिखावटी	देख	आवट	+	ई
बचपना	बच्चा	पन	+	आ
समझदारी	समझ	दार	+	ई
राष्ट्रीयता	राष्ट्र	ईय	+	ता
भौतिकता	भूत	इक	+	ता
मौलिकता	मूल	इक	+	ता
प्यासा	पी	आस	+	आ
बुद्धिमानी	बुद्धि	मान	+	ई
कुलीनता	कुल	ईन	+	ता

पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त प्रत्यय युक्त शब्द

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
अमरता	अमर	ता
चाँदनी	चाँद	नी
भिन्नता	भिन्न	ता
सभ्यता	सभ्य	ता
तरावट	तर	आवट
प्रचलित	प्रचलन	इत
बड़प्पन	बड़ा	पन

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
कर्मठता	कर्मठ	ता
आरोही	आरोह	ई
कठिनाई	कठिन	आई
अंकित	अंक	इत
पत्रिका	पत्र	इका
आलोकित	आलोक	इत
पीड़ित	पीड़ा	इत

Scanned by TapScanner

अभ्यास-प्रश्न

1. शब्द-निर्माण प्रक्रिया से क्या आशय है? यह किस प्रकार हो सकती है?
2. उपसर्ग की परिभाषा दीजिए तथा इसके प्रकार बताइए।
3. उपसर्ग बताइए–

   अधिकृत, पराजय, उपयोग, सम्मेलन, उद्घाटन, नासमझ, दुर्घटना, उन्नत, अत्याचार, दुराचार, प्रतिक्रिया, [illegible] उद्गम, बाकायदा, दुर्दिन, निस्संदेह, प्रसिद्ध, निर्जन।
4. प्रत्यय बताइए–

   घटिया, गुजराती, सजावट, राष्ट्रीय, मानवता, झटपटाहट, ओढ़नी।
5. प्रत्यय किसे कहते हैं? प्रत्यय के तीन उदाहरण दीजिए।
6. उपसर्गों से एक-एक शब्द बनाइए–

   उप, परि, निर्, अन, अधि, अप, अति, प्र, सु, बा।
7. प्रत्ययों से एक-एक शब्द बनाइए–

   ता, इक, आव, नी, आऊ, वान, एलू, ई, ऊ, पन, आलु।
8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

   (*i*) 'प्रहार' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

   (*ii*) 'अव' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए।

   (*iii*) 'सामाजिक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

   (*iv*) 'आलु' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए।
9. निर्देशानुसार कीजिए–

   (*i*) 'अनास्था' में से उपसर्ग व मूल शब्द अलग करके लिखिए।

   (*ii*) 'चिर्' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

   (*iii*) 'पांडित्य' शब्द से मूल शब्द व प्रत्यय अलग करके लिखिए।

   (*iv*) 'अक्कड़' प्रत्यय के योग से दो शब्द बनाइए।
10. निर्देशानुसार कीजिए–

    (*i*) 'निर्भय' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द को अलग-अलग करके लिखिए।

    (*ii*) 'प्रति' उपसर्ग के योग से दो शब्द बनाइए।

    (*iii*) 'सामाजिक' शब्द से मूल शब्द व प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए।

    (*iv*) 'पन' प्रत्यय के योग से दो शब्द बनाइए।

Scanned by TapScanner